भाकृअनुप-केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

दिनांक : 27.02.2026

भाकृअनुप-केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में प्राकृतिक खेती और श्रीअन्न प्रसंस्करण पर किसान मेला और कृषि नवाचार भ्रमण का आयोजन किया गया | कार्यक्रम में श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी, माननीय संस्कृति एव पर्यटन मंत्री, भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे |

कार्यक्रम में श्री जसवंत सिंह विश्नोई, अध्यक्ष, जीव जंतु कल्याण बोर्ड एवं पूर्व सांसद, , प्रो. (डॉ.) हरप्रीत कौर, कुलगुरु, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर, प्रो. (वैध) गोविंद सहाय, कुलगुरु डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णण राजस्थान आयुर्वेद विश्वविधालय, जोधपुर, श्रीमती अनिता चौधरी, पूर्व जिला प्रमुख, जोधपुर तथा डॉ. जब्बर सिंह सोलंकी, पूर्व कुलपति, कृषि विश्वविध्यालय कोटा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे |

इस अवसर पर संस्थान निदेशक डॉ. सुरेश पाल सिंह तँवर ने मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों का साफा एवं शॉल द्वारा पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया | डॉ. तँवर ने संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी दी |

मुख्य अतिथि श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी ने किसानों को संबोधित करते हुये कहा कि भारत सरकार द्वारा श्रीअन्न के उत्पादन तथा प्रयोग को अत्यधिक महत्त्व दिया जा रहा है | उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों तथा किसानों के प्रयासों से आज हम अन्न और दलहन उत्पादन में आत्म-निर्भर हो गये हैं तथा आयातक के बजाय निर्यातक बन गये हैं | काजरी द्वारा किये गये महत्वपूर्ण शोध कार्यों की सराहना करते हुये कहा कि प्रसंस्करण के क्षेत्र में काजरी को शोध करने की आवश्यकता है |

माननीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी एवं अन्य अतिथियों द्वारा संस्थान में विकसित स्मार्ट कक्षा का उद्घाटन किया गया | अतिथियों द्वारा संस्थान में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया जिसमें 27 विभागों की स्टॉल लगायी गयी |

श्री जसवंत सिंह विश्नोई, अध्यक्ष, जीव जंतु कल्याण बोर्ड एवं पूर्व सांसद, जोधपुर ने कहा कि अब किसानों के पास भूमि कम हो रही है | अतः तकनीक का लाभ उठाकर कम भूमि में अधिक आय हेतु प्रयास करने की आवश्यकता है | उनके द्वारा जैविक खेती अपनाने का आह्वान किया गया |

इस अवसर पर प्रगतिशील किसानों तथा पत्रकारों को प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया | पश्चिमी राजस्थान के 8 जिलों से 1950 किसानों ने भाग लिया जिसमे 850 किसान महिलायें थी | काजरी द्वारा प्रशिक्षित 30 नवोन्मेषी किसान, उधमी एवं स्टार्ट अप संचालक भी शामिल थे | काजरी द्वारा विकसित पौधोगिकियों का सजीव प्रदर्शन किया गया | कुल 8 नवोन्मेषी किसान एवं 2 कृषि सम्मानित पत्रकारों को सम्मानित किया गया | राजस्थान सरकार के कृषि विभाग एवं अन्य विभाग निजी जैविक कम्पनियों एवं एनजीओ ने भी भाग लिया | बैंक ऑफ़ बडौदा एवं भारतीय स्टेट बैंक का आयोजन में सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ | डॉ. बीएल मंजुनाथ, कार्यक्रम संयोजक द्वारा सभी आगंतुकों का आभार प्रकट किया गया |